बस यूं ही...

शांता पारेख, इन्दौर
9425311944

पहली नज़र

सफलता की परिभाषा कई हो सकती है, मगर आपकी सफलता ने समाज इंसान को कितना प्रभावित किया ये बड़ी बात है. मनोरंजन उद्योग कुछ समय के लिये खुशी देता है, पेंटिंग उनके शौकीनो को खुशी देती, साहित्य भी उनके पढ़ने वालो को देती, पर विज्ञान बहुत बड़े तबके को प्रभावित करता है, रेडियो या बल्ब का आविष्कार, रेल के बिना रहने की कल्पना ही नहीं कर सकते, सूची लम्बी हो सकती पर, सफलता का मतलब ये भी है एक सीमा के बाद सोच ले कि जो है पर्याप्त है मझे अब कुछ नहीं चाहिए, पर जो एक के बाद दूसरी चीज के लिये भाग रहा वह तो भिखारी ही है भूखा है, हमेशा कुछ चाहिए,वह बड़े बैंक बैलेंस के साथ परेशान ही दीखता है.

धन बुरी चीज नहीं है वह मनुष्य को कई विकल्प देता है, एक मध्यम वर्गीय बालक एक फ्लैट गाड़ी व थोड़ा बैंक बैलेंस से बड़ी कल्पना नहीं करता, परन्तु जो ओद्योगिक घरानो मे पैदा होते उन्हें विदेश पढ़ने की सुविधा, के साथ अपने क्षेत्र मे कुछ नया जोड़ने का सपना होता ही है, सबके सपने देखने की सीमा होती है पर कुछ विरले भी होते कलाम साहब का बचपन मुफलिसी मे बीता पर अवसर मिला व बड़े काम कर सके.

सफलता बहुत पाने के बाद भी उच्चमूल्यों मे आस्था रखने वाला संवेदनशील शील व्यक्ति अधिक बडे जनसमुदाय को प्रभावित करता है, जैसे पर्याप्त होने बाद भी गेमिंग एप्स, या पान मसाला बनाना,जो बर्बाद करेगा, मिलावट कर मौत के मुंह तक पहुंचाना, व्यक्तिगत नैतिकता भी तो कोई महत्व रखती है.

जो जनहित करते हुये धन कमाए तो जनता के दिल मे राज करता है, टाटा को देखलो, आज जो पेट्रोल का स्थायी बड़ा विकल्प ढूंढ ले तो सफल व प्रभावी माना जायेगा. भारत को आज़ादी मिली, फिर दस साल मे करीब तीस राष्ट्र आजाद हुये. कारक तो कई थे पर गांधी को श्रेय मिला उन्होंने जन जन तक आंदोलन बनाया. गहे उतरो तो बहुत विवाद होंगे पर पहली नज़र मे सफल व्यक्ति जो लीड करता उसे ही माना जाता।

निष्पक्ष

शुभम दुबे
स्तंभकार और राजनीतिक विश्लेषक

हर बेटी की आवाज़ सुप्रीम कोर्ट नहीं पहुँचती

एक तलाकशुदा बेटी, मृत बेटी से बेहतर होती है–पूर्व आईपीएस अधिकारी किरण बेदी का यह बयान देश के उस कड़वे और डरावने सच को उजागर करता है, जिसे हम अक्सर सामाजिक 'लोक-लाज' के पर्दे के पीछे छुपाने की कोशिश करते हैं। भोपाल के त्विशा शर्मा संदिग्ध दहेज हत्या मामले में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा स्वतः संज्ञान लेना और जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) को सौंपना यह सिद्ध करता है कि मामला कितना गंभीर और प्रभाव-युक्त था। परंतु विचारणीय प्रश्न यह है कि क्या देश की हर सतायी गई बेटी की आवाज सर्वोच्च न्यायालय के गलियारों तक पहुँच पाती है? वास्तविकता इसके बिल्कुल विपरीत है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो के आंकड़े गवाही देते हैं कि भारत में हर साल हजारों बेटियां दहेज की लालची आग में झोंक दी जाती हैं। दुखद पहलू यह है कि आज भी हमारा समाज, अपनी बेटियों को आत्मसम्मान के साथ जीने की हिम्मत देने के बजाय, उन्हें 'ससुराल में ही सब कुछ सहने' की मूक नसीहत देता है। माता-पिता को अब यह समझना होगा कि आपकी बेटी का स्वाभिमान और उसका जीवन, किसी रईस ससुराल की धन-दौलत, जमीन-जायदाद या तथाकथित सामाजिक प्रतिष्ठा से कहीं अधिक मूल्यवान है। पढ़े-लिखे मानसिक मूर्खों और अनैतिक लोगों के हाथों में अपनी संतानों को सौंपकर 'कन्यादान' की इतिश्री समझ लेना सबसे बड़ी भूल है। त्विशा के मामले ने मीडिया के माध्यम से जो सबसे डरावना सच सामने रखा है, वह यह है कि उसने कई बार अपने माता-पिता से संपर्क किया था। उसने अपने ससुराल के हालातों और अपनी मानसिक प्रताड़ना को बयां भी किया था, लेकिन माता-पिता को सपने में भी यह अंदाजा नहीं था कि उनकी बेटी की यह बातें कोई सामान्य शिकायत नहीं, बल्कि जिंदगी और मौत के बीच झूलती उसकी आखिरी पुकार थीं। अक्सर अभिभावक बेटियों की ऐसी तकलीफों को 'शादी के शुरुआती तालमेल की समस्या' समझकर टाल देते हैं। हमें इसी खतरनाक अंतर को मिटाना होगा। जब आपकी बेटी फोन पर कहे कि वह खुश नहीं है, तो उसके शब्दों के पीछे छिपे डर और डिप्रेशन को पहचानिए। उसकी शिकायत को आखिरी संवाद मत बनने दीजिए! आज हर पाठक और अभिभावक को यह आत्ममंथन करना होगा कि समाज, नियति या बिरादरी का डर क्या एक मासूम जान से बढ़कर है? अपनी बेटियों से संवाद खत्म मत कीजिए; उन्हें यह भरोसा दिलाइए कि उनका मायका उनके लिए हमेशा एक सुरक्षित आश्रय है। एक मृत और लाचार बेटी की अर्थी को कांधा देने के दर्द से कहीं बेहतर है कि एक जीवित, स्वाभिमानी और आत्मनिर्भर बेटी का हाथ थामकर उसे समाज में सिर उठाकर जीना सिखाया जाए।

ट्रिपल इंजन नहीं, विनाश और भ्रष्टाचार की सरकार बन चुकी है भाजपा

इंदौर का 90% पानी दूषित, जनता को ज़हरीला पानी पिलाया जा रहा :कांग्रेस

द्वारा करवाए गए वाटर ऑडिट की रिपोर्ट मुख्यमंत्री को सौंपी जाएगी

इंदौर (नवीन मौर्य)। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए भाजपा की तथाकथित ट्रिपल इंजन सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा बार-बार यह दलील देती रही कि केंद्र, राज्य और नगर निगम में एक ही दल की सरकार होने से शहर के विकास में धन की कमी नहीं होगी, योजनाओं को शीघ्र स्वीकृति मिलेगी और जनता को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी, लेकिन इंदौर की स्थिति इसके ठीक विपरीत है।

उन्होंने कहा कि इंदौर ने भाजपा को 9 विधायक दिए, जिनमें दो कैबिनेट मंत्री – नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट शामिल हैं। इसके अलावा सांसद, महापौर और पूरी नगर निगम परिषद भाजपा के पास है, फिर भी आज पूरा शहर भीषण जल संकट, दूषित पेयजल और अव्यवस्थित विकास का दंश झेल रहा है।

पटवारी ने कहा कि कांग्रेस द्वारा इंदौर की 7 विधानसभाओं से 240 पानी के सैंपल लेकर देश की सर्वश्रेष्ठ लैब में परीक्षण कराया गया, जिसमें चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। अधिकांश क्षेत्रों में नर्मदा पेयजल दूषित और संक्रमित पाया गया तथा कई स्थानों पर सीवरेज युक्त काला पानी सप्लाई हो रहा है। उन्होंने कहा कि इंदौर शहर का लगभग 90 प्रतिशत पानी पीने योग्य नहीं रह गया है और जनता अनजाने में ज़हरीला पानी पीने को मजबूर है।

उन्होंने कहा कि भगीरथपुरा क्षेत्र में 36 से अधिक निर्दोष नागरिक दूषित पानी पीने के कारण अपनी जान गंवा चुके हैं। यह केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं बल्कि जनता के जीवन के साथ अपराध है। नगर निगम अधिकारियों और भाजपा जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी थी कि वे समय रहते पानी की गुणवत्ता की जांच करवाते, लेकिन किसी ने अपनी जिम्मेदारी नहीं निभाई।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस द्वारा तैयार की गई वाटर ऑडिट रिपोर्ट मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट और सांसद शंकर लालवानी को सौंपी जाएगी। यदि सरकार चाहे तो इस रिपोर्ट की पुनः स्वतंत्र जांच करवा सकती है या सोशल वाटर ऑडिट करवा सकती है।

पटवारी ने भाजपा सरकार पर भ्रष्टाचार को संरक्षण देने का आरोप लगाते हुए कहा कि इंदौर नगर निगम पर लगातार भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगते रहे हैं, लेकिन आज तक किसी बड़े अधिकारी या जिम्मेदार जनप्रतिनिधि पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। मुख्यमंत्री स्वयं इंदौर के प्रभारी मंत्री हैं, इसके बावजूद भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई शून्य है।

उन्होंने कहा कि भाजपा की ट्रिपल इंजन सरकार भ्रष्टाचार, अव्यवस्था और इवेंट मैनेजमेंट की राजनीति में डूबी हुई है। विज्ञापनों और झूठे प्रचार के माध्यम से इंदौर को ‘वाटर प्लस सिटी’ बताकर जनता को भ्रमित किया गया, जबकि आज पूरा शहर बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहा है। भाजपा के झूठ के गुब्बारे की हवा अब निकल चुकी है।

पटवारी ने भोपाल से लाए गए जहरीले कचरे को पीथमपुर में जलाने के मुद्दे पर भी सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि जिस स्थान पर भोपाल में यह कचरा रखा गया था, वहां का पानी पहले ही दूषित हो चुका है। कांग्रेस ने इसका विरोध किया, लेकिन सरकार कोर्ट का आदेश लेकर जनता पर निर्णय थोपती रही। इंदौर के सांसद शंकर लालवानी की इस गंभीर मुद्दे पर चुप्पी दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने आशंका जताई कि पीथमपुर में जलाए गए जहरीले कचरे का प्रभाव यशवंत सागर के कैचमेंट एरिया पर भी दिखाई दे सकता है।

पत्रकार वार्ता में श्री पटवारी ने इंदौर के 6 तालाबों के सूखने, शहर में लगातार गिरते भूजल स्तर और सूखते बोरिंगों पर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने नगर निगम द्वारा किए गए वाटर रिचार्ज कार्यों पर सवाल उठाते हुए कहा कि करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद परिणाम शून्य हैं।

उन्होंने छावनी सहित शहर के विभिन्न क्षेत्रों में सड़क चौड़ीकरण के नाम पर की जा रही तोड़फोड़ का भी विरोध दर्ज कराया। उन्होंने कहा कि वर्षों से बसे रहवासियों के वैध निर्माणों को ‘सेटबैक’ के नाम पर तोड़ा जा रहा है, लेकिन प्रभावित परिवारों को उचित मुआवजा तक नहीं दिया जा रहा। उज्जैन में प्रभावितों को मुआवजा दिया जाता है, तो इंदौर की जनता के साथ भेदभाव क्यों किया जा रहा है?

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार विकास के नाम पर जनता को भ्रमित कर रही है। पहले 20 फीट सड़क चौड़ीकरण की आवश्यकता बताई जाती है, फिर प्रशासनिक दबाव बनाकर 40 फीट तक तोड़फोड़ की जाती है और बाद में विरोध होने पर 20 फीट पर आकर जनता पर एहसान जताया जाता है।

इंदौर नगर निगम में लगातार हो रहे घोटालों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। विज्ञापनों में इंदौर को वाटर प्लस सिटी बताकर जनता को गुमराह किया गया, जबकि हकीकत में शहर बूंद-बूंद पानी को तरस रहा है।

भोपाल से लाए गए जहरीले कचरे को पीथमपुर में जलाने का विरोध करते हुए पटवारी ने आशंका जताई कि इससे यशवंत सागर के कैचमेंट एरिया का पानी प्रभावित हो सकता है। इस गंभीर मुद्दे पर इंदौर सांसद की चुप्पी दुर्भाग्यपूर्ण है।

छावनी सहित शहर के कई क्षेत्रों में सड़क चौड़ीकरण के नाम पर वैध निर्माणों को तोड़ा जा रहा है, लेकिन प्रभावितों को उचित मुआवजा नहीं मिल रहा। उज्जैन में प्रभावितों को मुआवजा दिया जाता है, तो इंदौर की जनता के साथ भेदभाव क्यों किया जा रहा है? टीडीआर और एफएआर के नाम पर जनता को गुमराह किया जा रहा है। पटवारी ने तंज कसते हुए कहा कि यह देश की पहली ऐसी सरकार है जो बिना मास्टर प्लान के शहर का विकास करने का दावा कर रही है, जो वास्तव में विनाश की ओर ले जा रहा है।

श्री पटवारी ने कहा कि टीडीआर और एफएआर के नाम पर भी जनता को गुमराह किया जा रहा है। आम नागरिकों को उनके अधिकारों की स्पष्ट जानकारी नहीं दी जाती और प्रशासनिक दबाव में उनकी संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि यह देश की पहली ‘ट्रिपल इंजन सरकार’ है जो बिना मास्टर प्लान के शहर का विकास करने का दावा कर रही है। अब यह विकास है या विनाश, इसका फैसला जनता स्वयं करेगी।

पत्रकार वार्ता में पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा, शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे, जिला कांग्रेस अध्यक्ष विपिन वानखेड़े, इंदौर संगठन के पूर्व प्रभारी संजीव सक्सेना एवं प्रदेश प्रवक्ता अमित चौरसिया उपस्थित थे।

विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों पॉच अस्पतालों में इलाज हो सकेगा

इन्दौर। विश्वविद्यालय कार्यपरिषद् की बैठक आज नालंदा परिसर में सम्पन्न हुई। बैठक के प्रारंभ में विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सी.जी.एच.एस. की दर पर ओपीडी एवं जांचो से संबंधित चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु विभिन्न पॉच अस्पतालों (जुपिटर, चोईथराम, अरविंदो, गोकुलदास एवं अग्रवाल इंस्टीटियूट ऑफ आई केयर) के प्रतिनिधियों के साथ एक सहमति पत्र का आदान-प्रदान किया गया।

इसके पश्चात वित्त समिति एवं स्टेंडिंग कमेटी की अनुशंसाओं का अनुमोदन कराया गया जिसके अंतर्गत आई.ई.टी. परिसर में जैन शोध पीठ के भवन निर्माण के लिए पुलिस हाउसिंग बोर्ड के साथ एक एम.ओ.यू. करने का निर्णय लिया गया। विश्वविद्यालय में वर्तमान में क्लास रूम्स की कमी को दूर करने के लिए क्लास रूम्स कॉम्प्लेक्स (सी.आर.सी.) हेतु नवीन भवन एवं स्थल के प्रस्ताव को सैद्धांतिक सहमति दी गई।

विश्वविद्यालय मे कार्यरत शिक्षकों, कर्मचारियों एवं अधिकारियों की शैक्षणिक योग्यता में वृद्धि हेतु प्राईवेट अध्यर्थी के रूप में लगातार दो पाठ्यक्रमों को करने में पूर्व निर्धारित शर्त तीन साल के अन्तराल को समाप्त करने की कार्यपरिषद् ने मान्यता प्रदान की।

दीक्षांत समारोह में प्रदान किए जाने वाले स्वर्ण एवं रजत पदकों के निर्माण लागत में वृद्धि होने के फलस्वरूप दानदाओं द्वारा जमा कराई जाने वाली राशि में वृद्धि करने के प्रस्ताव को कार्यपरिषद् ने मान्यता प्रदान की। स्कूल ऑफ कम्प्यूटर साईंस एवं आई.टी. के विभागीय पुस्तकालय का नाम पूर्व विभागाध्यक्ष ''डॉ. राजकमल नॉलेज सेंटर'' किए जाने के प्रस्ताव को कार्यपरिषद् ने मान्यता प्रदान की।

पेट्रोल-डीजल पर वैट टैक्स एवं अन्य कर समाप्त करने बाबत ज्ञापन

इंदौर आम आदमी पार्टी, इंदौर द्वारा आज पेट्रोल एवं डीजल पर लगाए गए भारी टैक्स, परमिट शुल्क एवं अन्य करों के विरोध में टैक्स कमिश्नर, मध्यप्रदेश को ज्ञापन सौंपा गया।

जिला अध्यक्ष संदीप शर्मा के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने बढ़ती महंगाई और पेट्रोल-डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों को लेकर आम जनता की परेशानियों को प्रमुखता से उठाया। ज्ञापन में बताया गया कि मध्यप्रदेश में पेट्रोलियम पदार्थों पर लगभग 29त वैट टैक्स सहित विभिन्न करों के कारण आम नागरिकों, व्यापारियों एवं वाहन चालकों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ता जा रहा है।

50 से ज्यादा महिलाओं को मिलेगा स्वरोजगार प्रशिक्षण

इंदौर। आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की दिशा में महिलाओं के लिए एक नया प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया है। ज्वाला और अभ्युदय रुरुप ने मिलकर 50 से अधिक महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से तीन महीने का विशेष कोर्स शुरू किया है। इस पहल के तहत महिलाओं को ब्यूटी, फैशन और अन्य प्रोफेशनल क्षेत्रों में प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि वे अपने कौशल के आधार पर रोजगार या खुद का काम शुरू कर सकें।

ज्वाला की फाउंडर डॉ. दिव्या गुप्ता ने बताया कि संस्था पहले भी इस तरह के कई प्रशिक्षण कार्यक्रम चला चुकी है। उनका कहना है कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से सक्षम बनाकर उन्हें सशक्त बनाना है, ताकि वे अपने परिवार और समाज में मजबूत भूमिका निभा सकें।

कार्यक्रम से जुड़ी जानकारी देते हुए अभ्युदय फाउंडर चेयरपर्सन श्वेता केड़िया ने कहा कि महिलाओं को केवल प्रशिक्षण देना ही नहीं, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए सही दिशा और अवसर उपलब्ध कराना भी जरूरी है। वहीं प्रेसिडेंट रुरुति अग्रवाल और श्वेतल मित्तल ने बताया कि इस कोर्स में प्रैक्टिकल ट्रेनिंग पर विशेष जोर दिया जाएगा, ताकि प्रतिभागी सीधे काम से जुड़ सकें।

कार्टून कोना...

इंदौर में 9 से 13 जून तक होगा अंतरराष्ट्रीय BRICS कृषि सम्मेलन- व्यापक तैयारियां जारी

इंदौर। इंदौर में 9 से 13 जून तक कृषि विषय पर अंतरराष्ट्रीय महत्व का BRICS सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। सम्मेलन में BRICS देशों के मंत्रीगण, वरिष्ठ अधिकारी एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल शामिल होंगे।

आयोजन को लेकर जिला प्रशासन, पुलिस एवं नगर निगम द्वारा व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। इसी क्रम में आज पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह और कलेक्टर श्री शिवम वर्मा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने विभिन्न कार्यक्रम स्थलों, बैठक स्थलों तथा अतिथियों के आवागमन मार्ग का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने एयरपोर्ट से लेकर अतिथियों के ठहरने के स्थानों तथा आयोजन स्थलों तक की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और निर्देश दिए कि मेहमानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

साथ ही मालवा की सांस्कृतिक गरिमा और पारंपरिक आतिथ्य के अनुरूप उनका स्वागत-सत्कार सुनिश्चित किया जाए। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था का भी जायजा लिया गया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने एयरपोर्ट से मेरियट होटल और शैरीटन ग्रेंड पैलेस तक के मार्ग का बसों के माध्यम से भ्रमण किया।

इस दौरान नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल, इंदौर विकास प्राधिकरण के सीईओ डॉ. परीक्षित झाड़े, स्मार्ट सिटी के सीईओ श्री अर्थ जैन, एमपीआईडीसी के कार्यकारी अधिकारी हिमांशु प्रजापति, अपर कलेक्टर नवजीवन विजय पवार, रोशन राय उपस्थित थे।

शाकिर हुसैन बने आम आदमी पार्टी इंदौर के जिला उपाध्यक्ष

आम आदमी पार्टी मध्यप्रदेश के संगठन विस्तार अभियान के अंतर्गत इंदौर के सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ता, टेक्नोलॉजी एक्सपर्ट, डिजिटल रणनीतिकार एवं ब्लॉगर/यूट्यूबर शाकिर हुसैन को जिला उपाध्यक्ष, इंदौर नियुक्त किया गया है। साथ ही उन्हें "AAP इंदौर जोड़ो अभियान" का प्रभारी भी बनाया गया है। शाकिर हुसैन ने अपने राजनीतिक एवं संगठनात्मक सफर की शुरुआत आम आदमी पार्टी की साउथ मुंबई टीम में सोशल मीडिया हेड के रूप में की थी। इसके बाद उन्होंने आम आदमी पार्टी मध्यप्रदेश में स्टेट सोशल मीडिया सेक्रेटरी के रूप में भी कार्य किया।